मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 125
सोमवार, 18 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

ना मणिपुर एक है, ना मणिपुर सेफ है: मल्लिकार्जुन खडगे

नयी दिल्ली, 17 नवम्बर। मणिपुर में ताजा हिंसा भड़कने के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी चाहती है कि मणिपुर जलता रहे क्योंकि इससे उनकी घृणास्पद विभाजनकारी राजनीति का मकसद पूरा होता है। मणिपुर में अस्थिर हालात के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र में अपनी चुनावी रैलियां रद्द कर दी हैं। खरगे ने कहा कि राज्य के लोग कभी माफ नहीं करेंगे और न ही यह भूलेंगे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया और उनकी परेशानियों को दूर करने के लिए कभी उनके राज्य में कदम नहीं रखा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नरेन्द्र मोदी जी आपकी डबल इंजन सरकारों के शासन में न तो मणिपुर एक है, न ही मणिपुर सुरक्षित है। उन्होंने कहा, मई 2023 से यह अकल्पनीय दर्द, विभाजन और हिंसा से जूझ रहा है, जिसने इसके लोगों के भविष्य को नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा, हम पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहे हैं कि ऐसा लगता है कि भाजपा चाहती है कि मणिपुर जलता रहे क्योंकि इससे उसकी घृणित विभाजनकारी राजनीति का मकसद पूरा होता है। खरगे ने कहा कि सात नवंबर से अब तक कम से कम 17 लोगों की जान जा चुकी है, संघर्षग्रस्त क्षेत्रों की सूची में नए जिले जुड़े रहे हैं और आग सीमावर्ती पूर्वोत्तर राज्यों तक फैल रही है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, आपने मणिपुर को निराश किया है - जो एक खूबसूरत सीमावर्ती राज्य है। भले ही आप

भविष्य में मणिपुर का दौरा करें, राज्य के लोग कभी माफ नहीं करेंगे या भूलेंगे नहीं कि आपने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया और उनके कष्टों को दूर करने और समाधान खोजने के लिए कभी उनके राज्य में कदम नहीं रखा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी मणिपुर में हाल में हुई हिंसक झड़पों और जारी रक्तपात को बेहद परेशान करने वाला करार दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से राज्य का दौरा करने और क्षेत्र में शांति बहाल करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कि हाल ही में हुई हिंसक झड़पें और जारी रक्तपात बेहद परेशान करने वाला है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, एक वर्ष से अधिक समय के विभाजन और पीड़ा के बाद, प्रत्येक भारतीय की यह आशा थी कि केंद्र और राज्य सरकारें सुलह के लिए हर संभव प्रयास करेंगी और कोई समाधान निकालेंगी। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री से मणिपुर जाने और क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बहाल करने की दिशा में काम करने का एक बार फिर आग्रह करता हूं। पार्टी महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल ने कहा कि मणिपुर में हिंसा की बढ़ती घटनाएं दशार्ती हैं कि मामले किस हद तक नियंत्रण से बाहर हो गए हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, हत्याएं एक बार फिर रोजमर्रा की घटना बन गई हैं और सड़कों पर भीड़ का राज है।

महाराष्ट्र में आचार संहिता लागू होने के बीच नागपुर में 14 .5 करोड़ रुपये का सोना जब्त

नागपुर, 17 अक्टूबर। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बीच शनिवार को निर्वाचन अधिकारियों ने नागपुर में 14.5 करोड़ रुपये का सोना जब्त किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आभूषणों और अन्य रूप में सोना गुजरात की कंपनी सीक्वल लॉजिस्टिक्स द्वारा ले जाया जा रहा था, तभी उड़नदस्ता ने उसे पकड़ लिया। अधिकारी ने बताया, यह खेप बृहस्पतिवार को विमान से नागपुर पहुंची और इसे अमरावती भेजा जा रहा था। जब एक वाहन अंबाझरी झील से वाडी जा रहा था, तब उसे रोका गया। सोने को अंबाझरी थाने ले जाया गया।

जांच में पता चला कि सीक्वल लॉजिस्टिक्स के पास चुनाव अवधि के दौरान इतनी बड़ी मात्रा में सोना ले जाने के लिए निर्वाचन आयोग से आवश्यक अनुमति नहीं थी।

उन्होंने बताया कि मामले में जांच जारी है। महाराष्ट्र में 15 अक्टूबर से आदर्श आचार संहिता लागू है। विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

स्वतंत्र भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री, विकसित भारत के विकासपुरूष ऐतिहासिक निर्णय लेने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुंबई दौरे पर गत दिनों राकांपा चांदीवली विधानसभा के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह को मिलने का शौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह और उनकी टीम के युवाओं ने हाथ जोड़कर देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रणाम कर आशीर्वाद लिया।

महायुति ने महाराष्ट्र के कौशल और संसाधनों को लूटा: रणदीप सुरजेवाला

मुंबई। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने रविवार को सत्तारूढ़ महायुति पर मुंबई और महाराष्ट्र के कौशल व संसाधनों को लूटने और दलबदल के जरिये लोकतंत्र पर हमला करने का आरोप लगाया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव सुरजेवाला ने मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा, शिवसेना और राकांपा के गठबंधन महायुति पर निशाना साधते हुए दावा किया कि इसके शासन में खूंखार बदमाशों को संरक्षण दिया जा रहा है और कुख्यात अपराधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सुरजेवाला ने कहा, 'बॉलीवुड समेत मनोरंजन उद्योग को खुलेआम धमकियां दी गईं और नेताओं की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई।

मध्य प्रदेश में दो सड़क दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत, सात घायल

खरगौन, 17 नवम्बर। मध्यप्रदेश के खरगौन और मुरैना जिले में दो सड़क दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई और सात व्यक्ति घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। खरगौन कोतवाली पुलिस थाने के उपनिरीक्षक श्रीराम भूरिया ने बताया कि खरगौन में पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास रविवार सुबह करीब सात बजे स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) और वैन के बीच टक्कर हो गई।

उन्होंने बताया कि वैन में मौजूद दो लोग रामलाल (50) और शोभाराम (49) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पांच व्यक्ति घायल हो गए। भूरिया ने बताया कि एसयूवी में एक ही व्यक्ति बैठा था। उन्होंने बताया कि वाहन की नंबर प्लेट पर एसडीएम

(सब डिविजनल मजिस्ट्रेट) लिखा हुआ था। इस संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के बाद ही पता चलेगा कि वाहन किसका है। पुलिस ने बताया कि मुरैना में शनिवार रात दो तेज रफ्तार मोटरसाइकिल टकरा गईं, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सबलगढ़ पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना मुरैना जिला मुख्यालय से लगभग 60 किलोमीटर दूर पीपलवाड़ी पुलिस चौकी के पास हुई। उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल सवार बिशु (65) और सचिन (22) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि संतोष (28) नामक व्यक्ति ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें सबलगढ़ सरकारी अस्पताल से मुरैना के जिला अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है।

महायुति सरकार नीति बनाने और नीति लागू करने वाली सरकार है: रवींद्र चव्हाण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भाजपा महायुति के प्रचार प्रमुख रवींद्र चव्हाण ने राय व्यक्त की है कि महाराष्ट्र में स्थिर राजनीतिक व्यवस्था और विकास के अनुकूल माहौल के लिए महायुती सरकार ही एकमात्र विकल्प है। बीजेपी की पारंपरिक सीट डोंबिवली से चुनाव लड़ते हुए रवींद्र चव्हाण महायुति के काम को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कोंकण और पालघर जिलों में भी काम कर रहे है।

उन्होंने आगे कहा कि देश को 5 ट्रिलियन इकोनॉमी की ओर ले जाने में महाराष्ट्र का योगदान बहुत बड़ा है. महायुति सरकार द्वारा लिए गए कुछ ऐतिहासिक निर्णयों से महाराष्ट्र में विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। निर्यात बढ़ाने के लिए 'निर्यात प्रोत्साहन नीति' बनाई। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के नियोजित विकास के लिए आईटी

नीति बनाई गई। महायुती सरकार के दौरान एक व्यापक टेक्सटाईल नीति भी बनाई गई थी। उद्योगों के लिए एक सक्षम वातावरण बनाते हुए पर्यावरण की रक्षा के लिए एक 'ग्रीन हाइड्रोजन नीति' बनाई गई थी। ऐसी नीतियों को लागू करने के लिए निरंतरता रखनी होगी और इसलिए रवींद्र चव्हाण ने अपील की है कि इस साल के विधानसभा चुनाव में महायुती सरकार को मौका दिया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में प्रियंका गांधी ने महायुति गठबंधन पर साधा निशाना

मुंबई, 17 नवम्बर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को सत्तारूढ़ भाजपा की नीतियों की आलोचना की और दावा किया कि कुछ बड़ी परियोजनाओं के गुजरात में स्थानांतरित होने के कारण महाराष्ट्र में नौकरियां खत्म हो गई हैं। बीस नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के नेता वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने और समाज का ध्रुवीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं। राज्य की महायुति सरकार की प्रमुख योजना लाडकी बहिन को लेकर उस पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा कि महिलाओं को बेहतर जीवन के लिए वोट देना चाहिए, न कि इसलिए कि उन्हें प्रति माह 1,500 रुपये मिल रहे हैं। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि अगर विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) सत्ता में आता है, तो वह सोयाबीन की फसल के लिए किसानों को 7,000 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) देगा।

प्रियंका ने दावा किया कि महाराष्ट्र में 2.5 लाख से ज्यादा पद खाली हैं। उन्होंने कहा कि फॉक्सकॉन, एयरबस जैसी परियोजनाओं के गुजरात में स्थानांतरित होने के कारण राज्य में नौकरियां खत्म हो गई हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा, 'लोग प्रयास कर रहे हैं, नये कौशल सीख रहे हैं, लेकिन फिर भी उन्हें नौकरी नहीं मिल पा रही। सरकार को इस पर प्राथमिकता से ध्यान

देना चाहिए था, लेकिन वह इन पदों को भरने में विफल रही है। उन्होंने महाराष्ट्र में युवाओं की आत्महत्या को रोजगार के अवसरों की कमी से जोड़ने की भी कोशिश की।' प्रियंका ने दावा किया, 'देश में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा युवा आत्महत्या कर रहे हैं। यह बेरोजगारी को दूर करने में भाजपा की विफलता का नतीजा है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा नेताओं द्वारा लगाए गए नारे एक हैं तो सेफ हैं पर प्रियंका ने कहा कि सेफ शब्द के दो अर्थ हैं-सुरक्षित और खजाना। उन्होंने आरोप लगाया, 'लेकिन इस देश में सही मायने में सुरक्षित सिर्फ अडाणी ही हैं। पूरा देश जानता है कि अडाणी ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी सरकारी खजाने तक पहुंच है, जबकि आम नागरिक संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि हवाईअड्डों, बंदरगाहों और कुछ प्रमुख कंपनियों पर अडाणी का नियंत्रण है और सरकारी नीतियां भी एक व्यक्ति के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, सरकार को राष्ट्रीय संपत्ति को किसी एक व्यक्ति को सौंपने के बजायरोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

असहिष्णुता शांति ही नहीं, स्वास्थ्य के लिये भी घातक

-ललित गर्ग

व्यक्तियों, समाजों एवं राष्ट्रों की एक दूसरे के लिये बढ़ती असहिष्णुता ही युद्ध, नफरत एवं द्वेष का कारण है, यही साम्प्रदायिक हिंसा एवं उन्माद का भी कारण है। असहिष्णुता, घृणास्पद भाषण और दूसरों के प्रति भय, नफरत, घृणा एवं द्वेष न केवल संघर्ष और युद्धों का एक शक्तिशाली प्रेरक है, बल्कि इसका मुख्य कारण भी है। जबकि सहिष्णुता वह बाध्यकारी शक्ति है जो हमारे बहुसांस्कृतिक, बहुजातीय और बहुधार्मिक समाज को एकजुट करती है। असहिष्णुता केवल सामाजिक एवं राजनैतिक ताने-बाने को ही छिन्न-भिन्न नहीं करती है, बल्कि इसका देश की अर्थव्यवस्था, उसके विकास एवं अंतर्राष्ट्रीय छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वैश्वीकरण के युग में अंतर्राष्ट्रीय वित्त एवं व्यापार व्यवस्था को मजबूती देने के लिये सहिष्णुता की बड़ी जरूरत है। यह व्यक्तिगत जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। इसीलिये हर साल 16 नवंबर के दिन पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय सहनशीलता दिवस मनाया जाता है। दरअसल, बदलते लाइफस्टाइल और सामाजिक माहौल की वजह से लोगों के अंदर सहनशीलता लगातार घटती जा रही है। सामाजिक माहौल ना बिगड़े और लोग एक दूसरे के साथ मिल-जुलकर रहें, इसी संकल्प के साथ यह दिवस मनाया जाता है। 1995 में महात्मा गांधी की 125वीं जयंती पर संयुक्त राष्ट्र ने सहनशीलता वर्ष मनाया था। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1996 में औपचारिक तौर पर प्रस्ताव पास कर अंतरराष्ट्रीय सहनशीलता दिवस की शुरूआत की थी।

असहिष्णुता की मनोवैज्ञानिक विवेचना यह दर्शाती है कि यह मुख्यतः अनजान कारकों एवं स्थितियों के प्रति संदेह से भरे रवैये से उपजती है। ऐसी मनोवैज्ञानिक स्थिति किसी भी समाज के लिये स्वस्थ मनोदशा का प्रतीक नहीं हो सकती। साथ ही, परस्पर सद्भाव एवं सम्मान के स्थान पर प्रतियोगिता तथा द्वेष से संचालित समाज अंततः बिखराव की तरफ बढ़ने को अभिशप्त होता है। फलस्वरूप राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को अक्षुण्ण रखने के लिये असहिष्णुता के स्तर को नियंत्रण में रखना बहुत आवश्यक है। सहनशीलता का शाब्दिक अर्थ है शरीर और मन की अनुकूलता और प्रतिकूलता को सहन करना। मानव व्यक्तित्व के विकास और उन्नयन का मुख्य आधार तत्व सहिष्णुता है। स्वयं के विरुद्ध किसी भी आलोचना को स्वीकार नहीं करना मोटे रूप में असहिष्णुता है। बताया जाता है कि सहिष्णुता मनुष्य को दयालु और सहनशील बनाती है वहीं असहिष्णुता मनुष्य को दम्भी या अहंकारी बनाती है। अहंकार अंधकार का मार्ग है जो मनुष्य और समाज का सर्वनाश कर देता है। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर छोटी-छोटी बातों पर लड़ाई-झगड़ा आम हो गया है। इतना ही नहीं लोग रिश्ते-नाते भूलकर भी जान लेने और देने पर उतारू हो रहे हैं।

सहनशीलता का जिंदगी में बहुत महत्त्व है। जिसने जीवन में सहन करना सीख लिया वह जिंदगी की हर जंग जीत सकता है। सहिष्णुता जीवन शक्ति का पर्याय है। विश्व के देशों में सहनशीलता का निरंतर क्षरण हो रहा है। शासक एक दूसरे के विरुद्ध ऐसे बयान जारी कर रहे हैं जिससे विश्व में कटुता और असहिष्णुता का बाजार गर्म हो रहा है। इसी से युद्ध हो रहे हैं। रूस-यूक्रेन हो या हमास-इजरायल लम्बे समय से युद्ध से झुलस रहे हैं। इजरायल और हमास के बीच पिछले एक साल से लगातार युद्ध चल रहा है। जिसमें अब तक हजारों लोगों की जाने जा चुकी हैं। वहीं रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध से सम्पूर्ण विश्व की अर्थ-व्यवस्था प्रभावित है। बात विश्व की ही नहीं, राष्ट्र एवं समाज की भी है, हर ओर छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना, आक्रोश, हिंसा, नफरत, द्वेष के परिदृश्य व्याप्त है। विश्व सहनशीलता दिवस मनाने के पीछे यह तर्क दिया जा रहा है कि मानव समुदाय एक दूसरे का सम्मान करें और उन भावनाओं को पुष्ट करें जिससे किसी भी स्थिति में सहिष्णुता को हानि नहीं पहुंचे। ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों से कहा, ह्यहिंसा का प्रतिकार कभी हिंसा से नहीं करना, बल्कि सहिष्णुता से करना और अगर कोई तुम्हारे एक अंग पर प्रहार करे तो दूसरा अंग भी उसके आगे कर देना ह्न आततायियों द्वारा सलीब पर चढ़ाए जाते हुए भी ईसा मसीह ने कहा, ह्यहे ईश्वर, इन्हें क्षमा कर देना क्योंकि ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं।

प्राचीन काल और मध्य युग में अहिंसा और सहिष्णुता की जो बातें मनु, बुद्ध, महावीर और नानक ने कही उसी की नई इबारत गांधीजी ने लिखी। किसी भी उद्देश्य के लिए किसी भी पक्ष द्वारा हिंसक मार्ग के अनुसरण को उन्होंने यह कह कर नकारा कि सात्विक दृष्टि से जब सब एक ही परमात्मा के अंश है, आस्था एक ही है तो फिर विद्वेष, प्रतिहिंसा और प्रतियोगिता क्यों? जिस समाज के पास वेदवाणी और गुरुवाणी से लेकर गांधी तक अहिंसावादी विचारों की धरोहर हो, वहां इतनी असहिष्णुता और इतनी हिंसा क्यों? एक बहुत झीनी, नाजुक और पतली-सी दीवार है सहिष्णुता, जिसके पीछे हिंसा, घृणा, वैर विरोध और प्रतिरोध जैसे विकार घात लगाए बैठे हैं। पारिवारिक, सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक या आर्थिक में से कोई भी कारण सहिष्णुता की नाजुक दीवार को गिराने के लिए काफी हो सकता है। किसी भी युग में किसी भी देश में जब-जब सहिष्णुता की दीवार में कोई सुराख करने की कोशिश हुई है, तब-तब आसुरी एवं हिंसक शक्तियों ने सामाजिक एकता को कमजोर किया है और विनाश का तांडव रचा है। सहिष्णुता तभी कायम रह सकती है जब संवाद एवं सौहार्द कायम रहे। सहिष्णुता इमारत है तो संवाद आधार। लेकिन प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावाद के जाल में फंस चुके इस विश्व में यह संवाद लगातार टूटता जा रहा है। दूसरों के प्रति असहिष्णुता और वैर भाव देखने वाला व्यक्ति समाज का अहित बाद में और अपना अहित पहले करता है। कारण यह है कि मन में मानसिक शांति और आसुरी तत्व दोनों एक साथ रह ही नहीं सकते। हिंसात्मक विचार और विकार मन से शांति को उखाड़ कर ही अपना स्थान और सामान्य बनाते आए हैं। सहिष्णुता एक उत्प्रेरक है अनेक अनुवर्ती क्रियाओं की। जिस समाज में सहिष्णुता है, वहां क्षमा है। जहां क्षमा है वहां सौहार्द है। जहां सौहार्द है वहां सहयोग और समन्वय है। जहां समन्वय है, वहां शांति है। जहां शांति है, वहां मानव का, समाज का, राष्ट्र और विश्व का विकास है। इसी युग में दुनिया के कई शांतिप्रिय राष्ट्रों की मिसाल हमारे सामने है, जिन्होंने मारामारी, हिंसा और तनातनी से दूर रहकर सामाजिक और आर्थिक विकास की कई बुलंदियों को छुआ है और वे लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने सहिष्णुता के मार्ग का ही अनुसरण किया है।

असहिष्णुता शांति एवं सह-जीवन के लिये ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य के लिये भी घातक है। शास्त्रों में भी कहा गया है कि चिंता ह्यचिताह्न समान और क्रोध ह्यविनाशह्न की पहली सीढ़ी होता है। जल्दी उत्तेजित होने वाले जहां अन्य लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वहीं, खुद की सेहत से भी खिलवाड़ कर रहे हैं। हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग उन्हें जकड़ रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, सही शिक्षा के अभाव में नई पीढ़ी में मानसिक सहनशीलता कम हो रही है। वहीं सामाजिक परिवेश के आकलन के बिना बनाए गए कानून भी आग में घी का काम कर रहे हैं। पढ़ाई व संस्कारों के लिए स्कूलों में डांटना-मारना उत्पीड़न कहा जा रहा है। ऐसे में जहां शिक्षकों को अपमान झेलना पड़ता है। वहीं, युवाओं के हौसले बुलंद हैं। इस समस्या से बचने के लिए सिर्फ शरीर ही नहीं बल्कि दिमाग को भी मजबूत करना पड़ेगा। इस अंतरराष्ट्रीय सहनशीलता दिवस पर हर व्यक्ति को संकल्प लेना चाहिए कि वो स्वयं सहनशील बनेगा तथा अपने बच्चों को सहनशील बनाएगा। क्योंकि सहनशील व्यक्ति अपने आसपास के वातावरण में शांति और सौहार्द कायम रखता है। यह हमारे जीवन के सकारात्मक पहलुओं को उजागर करता है। ऐसे लोग हर स्वभाव के लोगों के साथ तालमेल रखते हैं। आधुनिक युग में रिश्तों में दरार उत्पन्न होने और हिंसा में वृद्धि होने के कारकों में सहनशीलता का अभाव ही है। सहनशीलता हमारे जीवन का मूल मंत्र है। सहिष्णुता ही लोकतंत्र का प्राण है और यही वसुधैव कुटुम्बकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः एवं सर्वधर्म सद्भाव का आधार है। इसी से मानवता का अभ्युदय संभव है।

मणिपुरः आखिर यह हिंसा की आग कब बुझेगी?

अशोक भाटिया

मणिपुर पिछले 18 महीनों से जल रहा है। हिंसा की आग ऐसी फैली है जो बुझने का नाम नहीं ले रही। जगह-जगह हत्याएं, मारपीट, शोषण, रेप और बर्बरता की खबरें आ रही हैं। मणिपुर में हिंसा और महिलाओं के साथ बर्बरता की कई घटनाएं पिछले एक साल में हुई हैं। अब 3 बच्चों की मां के साथ दरिंदगी की हर हद पार की गई है। महिला का पहले रेप किया गया और फिर दरिंदों ने उसके शरीर पर कीलें ठोक दी। इसके बाद महिला को जला दिया। इंसानियत को शर्मसार करने वाली इस घटना से डॉक्टर भी हैरान हैं। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों ने इसे वीभत्स और दिल दहला देने वाला बताया है। महिला के पति ने जो ऋक्रदर्ज कराई, उसमें कहा कि घर के भीतर 'बेरहमी से हत्या' किए जाने से पहले उसका बलात्कार किया गया था। हालांकि, असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज में हुए पोस्टमार्टम से यह पता नहीं चल सका कि महिला का रेप किया गया था या नहीं। जानते हैं क्यों? क्योंकि उसके जले हुए शरीर को देखते हुए डॉक्टरों ने योनि से स्मीयर जुटाने की किसी भी संभावना को सिरे से खारिज कर दिया।

गौरतलब है कि मणिपुर हिंसा की आग में आज तक जल रहा है। पूर्वोत्तर में स्थित इस राज्य में लूट, हत्याओं और अशांति की खबरें आम हैं। मणिपुर में 3 मई 2023 से हिंसा का दौर शुरू हुआ था। लेकिन 18 महीने बाद भी राज्य में शांति बहाल नहीं हुई। पिछले सप्ताह जिरीबाम जिले की एक हिंसा में 5 लोगों की मौत हो गई। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच एक बार फिर स्थिति तनावपूर्ण तब हो गई जब शनिवार को प्रदर्शनकारियों ने राज्य के तीन मंत्रियों और छह विधायकों के आवासों पर हमला किया। यह घटनाक्रम मणिपुर में हाल ही में नदी से निकाले गए लापता छह लोगों में से तीन के शवों के मिलने के एक दिन बाद हुआ। इस हमले के बाद राज्य सरकार ने पांच जिलों में अनिश्चितकाल के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी और कुछ क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित कर दीं। मणिपुर में हालात की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वहां हिंसा में शामिल दोनों समुदायों के पास अब ऐसे हथियार हैं जिनका इस्तेमाल आमतौर पर युद्ध में किया जाता है। सेना इस कदर मजबूर है कि उन्हें एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात करने पड़े हैं। पहाड़ों और घाटियों में लोगों ने बंकर बना रखे हैं। ऐसे में सवाल ये उठता है कि आखिर 18 महीने बाद भी इस राज्य में हिंसा क्यों नहीं थम रही? वैसे तो मणिपुर में पिछले साल मई से ही हालात तनावपूर्ण हैं लेकिन पिछले कुछ महीनों से स्थिति थोड़ी नियंत्रण में थी। लेकिन अब हवाई बमबारी, आरपीजी और अत्याधुनिक हथियारों के लिए ड्रोन के इस्तेमाल के बाद हालात और खराब हो गए हैं। ताजा हमले के बाद तलाशी में पुलिस को 7.62 मिमी स्नाइपर राइफल, पिस्तौल, इम्प्रोवाइज्ड लॉन्ग रेंज मोर्टार (पोम्पी), इम्प्रोवाइज्ड शॉर्ट रेंज मोर्टार, ग्रेनेड, हैंड ग्रेनेड समेत तमाम आधुनिक हथियार मिले।वही, मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति ने एक कड़ा अल्टीमेटम जारी किया है, जिसमें मणिपुर में चल रहे संकट को हल करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों से तत्काल और निर्णायक कार्रवाई की मांग की गई है।

समिति ने स्थिति से निपटने के लिए बलों को पांच दिन की समय सीमा तय किया था , जिसमें चेतावनी दी गई थी कि कार्रवाई न करने पर लोगों को अपनी आबादी की सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठाने पड़ेंगे। समिति ने स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय बलों के तरीके, खासकर कुकी उग्रवादी समूहों से निपटने के उनके तरीके पर गहरा असंतोष व्यक्त किया । अपने अल्टीमेटम में, COCOMI ने या तो इन उग्रवादी समूहों पर कड़ी कार्रवाई करने या मणिपुर से केंद्रीय बलों को वापस बुलाने का आह्वान किया। सबसे अहम सवाल ये है कि आखिर मणिपुर में हिंसा थम क्यों नहीं रही है? इसके कई कारण हैं। आसान भाषा में समझें तो ये पूरी लड़ाई दो जातीय समूह कुकी और मैतई के बीच की है। ज्यादार मैतई समुदाय के लोग घाटी में रहते हैं और वहीं कुकी समुदाय के लोग पहाड़ों पर रहते हैं। हिंसा के बाद तो इन दोनों समुदायों का एक-दूसरे के स्थानों पर जाना बिलकुल बंद सा है। यही अलगाव हिंसा न थमने का एक बड़ा कारण भी है। दोनों की अलग-अलग लोकेशन होने के चलते पूरा इलाका एक सरहद में बदल गया है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ने अपने लिए सेफ बंकर बना लिए हैं। भारी मात्रा में हथियार दोनों के पास ही मौजूद हैं। जिससे जब मौका मिलता है तब वो एक-दूसरे पर हमला करते हैं और फिर बंकर में छिप जाते हैं। घाटी और पहाड़ी होने के चलते उन्हें रोक पाना भी मुश्किल हैं।

सवाल ये भी है कि आखिर दोनों ही समुदायों के पास इतनी बड़ी संख्या में हथियार कहां से आए। जिन हथियारों का हिंसा में इस्तेमाल हो रहा है वो आमतौर पर युद्ध में इस्तेमाल किए जाते हैं या फिर जवानों द्वारा इस्तेमाल किए जाते हैं। दरअसल, मणिपुर में तैनात सेना के जवानों समेत कई थानों में पिछले दिनों हथियार की लूट की खबर सामने आई थी। अधिकारियों ने कहा था कि भारी मात्रा में आधुनिक हथियारों की लूट हुई है।वहीं, दूसरा आरोप अवैध हथियारों की सप्लाई का भी है। जिसको लेकर राज्य के मुख्यमंत्री समेत कई नेताओं और विशेषज्ञों ने चिंता जाहिर की है। आरोप है कि पड़ोसी देशों से मणिपुर में अवैध हथियारों की सप्लाई हो रही है, जिससे हिंसा भड़क रही है।

हिंसा को रोकने के लिए मणिपुर में सैनिकों, अर्धसैनिकों और पुलिस बल की तैनाती हजारों की संख्या में है। लेकिन वो भी इस हिंसा को रोकने में बेबस दिखे हैं। इसका कारण आपसी समन्वय की कमी कहा जा सकता है। पिछले दिनों देखा गया था कि लोगों ने भी जवानों की तैनाती पर नाराजगी जाहिर की थी। वहीं, राज्य की पुलिस भी खेमों में बंटी नजर आती रही है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह जहां एक ओर विपक्ष के निशाने पर हैं वहीं उनपर भी पक्षपात के आरोप लगते रहे हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह हैं जो मैतेई समुदाय से आते हैं। मैतई सियासी रूप से भी मणिपुर में प्रभावशाली है। ऐसे में आरोप लगते रहे हैं कि सीएम बीरेन सिंह मैतई समुदाय के लोगों के प्रति सॉफ्ट कॉर्नर रखते हैं। पिछले दिनों हिंसा में कई बीजेपी नेताओं को भी निशाना बनाया गया था। ताजा हिंसा मामले में भी सीएम बीरेन सिंह पर आरोप लगे। कहा गया कि उनका कथित ऑडियो लीक होने के बाद हिंसा भड़की है। इस कथित वायरल ऑडियो में सीएम बीरेन सिंह की हिंसा में संलिप्तता की बातें थीं। पिछले साल 3 मई को मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आयोजित 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के बाद भड़की जातीय हिंसा के बाद से मणिपुर में अबतक 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं, जबकि आदिवासी, जिनमें नागा और कुकी शामिल हैं, 40 प्रतिशत हैं और मुख्य रूप से पहाड़ी जिलों में रहते हैं। बता दें कि इस हिंसा के चलते हजारों की संख्या में लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

विरोधी दलों का आरोप है कि एक भी ऐसा संकेत नजर नहीं आता, जिससे पता चले कि सरकार मणिपुर में हिंसा रोकने को लेकर गंभीर है। डेढ़ साल से ऊपर हो गए, मगर अब भी वहां कुकी और मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष जारी है। इन समूहों के उग्रवादी संगठन लक्षित हिंसा करने लगे हैं। जब भी कोई बड़ी हिंसा की घटना होती है मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने संकल्प लेते है कि वे किसी भी चरमपंथी गुट को कट्टरपंथी और राष्ट्र-विरोधी नहीं बनने देंगे। विचित्र है कि वे कई मौकों पर दोहरा चुके हैं कि स्थिति काबू में है, अब वे अरामबाई तेंगगोल जैसे चरमपंथी संगठनों पर शिकंजा कसने की बात करते हैं। मणिपुर सरकार के गृहमंत्रालय का कहना है कि ताजा घटना में उग्रवादियों ने ड्रोन का उपयोग कर लक्षित हिंसा की जा रही है । समझना मुश्किल है कि मणिपुर में सक्रिय उग्रवादियों की गतिविधियों पर नजर रखना इतना मुश्किल क्यों बना हुआ है और वे कैसे अत्याधुनिक तकनीक और हथियारों का इस्तेमाल कर पा रहे हैं। छिपी बात नहीं है कि मणिपुर का सारा संघर्ष सरकार की शिथिलता की वजह से पैदा हुआ है। शुरू में ही अगर सरकार ने दोनों समुदायों के बीच पैदा हुई गलतफहमी को दूर करने का प्रयास किया होता, तो वैमनस्यता की आग इस हद तक न भड़कने पाती। मगर सरकार ने न तो बातचीत की पहल की और न उपद्रवियों पर काबू पाने की कोशिश। मणिपुर के मामले में केंद्र सरकार का रवैया भी शुरू से सवालों के घेरे में रहा है। जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं, उनसे छोटी-सी घटना पर भी केंद्रीय गृह मंत्रालय तुरंत जवाब तलब कर लेता है, मगर मणिपुर के मामले में मौन साधे हुए ही दिखता रहा। शुरू-शुरू में वहां केंद्रीय सुरक्षा बलों को सख्ती के आदेश दिए गए थे, तब हिंसा रुक गई थी, मगर बाद में किस वजह से उस पर काबू पाने की कोशिश नहीं की गई, समझना मुश्किल है।

जानकार लोगों का मानना है कि ऐसा नहीं माना जा सकता कि अगर केंद्र सरकार चाहे, तो वह मणिपुर जैसे छोटे राज्य में हिंसा को नहीं रोक सकती। इस मामले में मुख्यमंत्री की जवाबदेही भी तय नहीं की गई। सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए वहां घटनाओं की जांच और राज्य पुलिस की कार्रवाइयों आदि पर नजर रखने के लिए एक दल गठित कर दिया, मगर राज्य सरकार के सहयोग के अभाव में उसके सकारात्मक नतीजे नजर नहीं आते।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा भी मणिपुर में हाल में हुई हिंसक झड़पों और जारी हिंसा पर गहरी चिंता जताई जा रही है । उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मणिपुर का दौरा करने और राज्य में शांति स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील भी की है ।राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मणिपुर में हाल की हिंसक घटनाएं और लगातार हो रही हिंसा बेहद परेशान करने वाली हैं। यह राज्य के लिए और देश के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि एक साल से अधिक समय से मणिपुर में मेइती और कुकी समुदायों के बीच चली आ रही हिंसा ने न केवल हजारों परिवारों को प्रभावित किया है, बल्कि यह भी पूरे राज्य की सामाजिक संरचना को कमजोर कर रही है।

युवा शक्ति के प्रतीक एवं प्रेरणा-स्रोत आईपीएस मनुमुक्त 'मानव', जिन्हें एक दशक बाद भी भुला पाना संभव नहीं

मनुमुक्त के पिता डॉ. रामनिवास 'मानव' भरे मन से बताते हैं कि अधिकारियों की आपराधिक लापरवाही और मनुमुक्त की मृत्यु के षड्यंत्र में शामिल उनके बैचमेट अफसरों की संलिप्तता के दस्तावेजी सबूतों के बावजूद, उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं हुई, बल्कि तेलंगाना पुलिस और सीबीआई ने इसे सामान्य घटना बताकर मामले को रफा-दफा कर दिया। तेलंगाना पुलिस और सीबीआई का पूरा प्रयास दोषियों को बचाने का था, दोषियों को सजा दिलाने का नहीं। ? यही नहीं, मनुमुक्त को ट्रेनी बताकर सभी सरकारों ने पल्ला झाड़ लिया, किसी ने एक रुपये की भी आर्थिक सहायता परिवार को प्रदान नहीं की।

नियति का यह कैसा दुखद विधान है कि विशिष्ट प्रतिभाओं को यहाँ अत्यल्प जीवन ही मिलता है। आदि शंकराचार्य से लेकर स्वामी विवेकानंद, स्वामी रामतीर्थ, श्रीनिवास रामानुजन, भारतेंदु हरिश्चंद्र और रांगेय राघव तक, एक लंबी सूची है ऐसे महापुरुषों? की, जो अपनी चमक बिखेरकर अल्पायु में ही इस दुनिया से विदा हो गए। भारतीय पुलिस सेवा के युवा अधिकारी मनुमुक्त 'मानव' भी एक ऐसे ही प्रतिभा-पुंज थे, जिन्हें काल ने असमय ही अपना ग्रास बना लिया।

28 अगस्त, 2014 को बहुमुखी प्रतिभा के धनी, अत्यंत होनहार और प्रभावशाली पुलिस अधिकारी मनुमुक्त की 30 वर्ष, 9 माह की अल्पायु में नेशनल पुलिस अकेडमी, हैदराबाद (तेलंगाना) के स्विमिंग पूल में डूबने से, संदिग्ध परिस्थितियों में, मृत्यु हो गई थी। स्विमिंग पूल के पास ही स्थित ऑफिसर्स क्लब में चल रही विदाई पार्टी के बाद, आधी रात को जब मनुमुक्त का शव स्विमिंग पूल में मिला, तो अकेडमी में ही नहीं, पूरे देश में हड़कंप मच गया, क्योंकि यह अकेडमी के 66 वर्ष के इतिहास में घटित होने वाली पहली इतनी बड़ी दुर्घटना थी। यहीं यह बताना भी आवश्यक है कि इतनी मर्मांतक और दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी के बाद भी इस मामले की न तो? ठीक-से जांच हुई और न ही किसी अधिकारी या कर्मचारी की जिम्मेदारी तय कर, उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की गई। मनुमुक्त के पिता डॉ. रामनिवास 'मानव' भरे मन से बताते हैं कि अधिकारियों की आपराधिक लापरवाही और मनुमुक्त की मृत्यु के षड्यंत्र में शामिल उनके बैचमेट अफसरों की संलिप्तता के दस्तावेजी सबूतों के बावजूद, उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं हुई, बल्कि तेलंगाना पुलिस और सीबीआई ने इसे सामान्य घटना बताकर मामले को रफा-दफा कर दिया। तेलंगाना पुलिस और सीबीआई का पूरा प्रयास दोषियों को बचाने का था, दोषियों को सजा दिलाने का नहीं। ? यही नहीं, मनुमुक्त को ट्रेनी बताकर सभी सरकारों ने पल्ला झाड़ लिया, किसी ने एक रुपये की भी आर्थिक सहायता परिवार को प्रदान नहीं की।

उल्लेखनीय है कि मनुमुक्त 2012 बैच और हिमाचल प्रदेश काडर के परम मेधावी और ऊजार्वान पुलिस अधिकारी थे। 23 नवंबर, 1983 को हिसार (हरियाणा) में जन्मे तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से उच्च शिक्षा प्राप्त मनुमुक्त ने 'सी' सर्टिफिकेट सहित एनसीसी की सभी सर्वोच्च उपलब्धियाँ प्राप्त की थीं। वह बहुत अच्छे चिंतक होने के साथ-साथ बहुमुखी कलाकार और सफल फोटोग्राफर भी थे; सेल्फी के तो मास्टर ही थे। उनकी समाज-सेवा में भी बड़ी रुचि थी। वह अपने दादा-दादी की स्मृति में अपने पैतृक गाँव में स्वास्थ्य-केंद्र तथा नारनौल में सिविल सर्विस एकेडमी स्थापित करना चाहते थे। देश और समाज के लिए उनके और भी बहुत सारे सपने थे, जो उनकी असामयिक मृत्यु के साथ ही ध्वस्त हो गए।

इकलौते जवान आईपीएस बेटे की मृत्यु मनुमुक्त के पिता, वरिष्ठ साहित्यकार और शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास 'मानव' तथा माता अर्थशास्त्र की पूर्व प्राध्यापिका डॉ. कांता भारती के लिए भयानक वज्रपात से कम नहीं थी। कोई अन्य दम्पत्ति होता, तो शायद टूटकर बिखर जाता, लेकिन 'मानव' दम्पत्ति ने अद्भुत धैर्य और साहस का परिचय देते हुए, न केवल इस अकल्पनीय-असहनीय पीड़ा को झेला, बल्कि अपने बेटे की स्मृतियों को सहेजने और सजीव बनाए रखने के लिए भरसक प्रयास भी प्रारंभ कर दिए। उन्होंने अपनी संपूर्ण जमापूंजी लगाकर 10 अक्टूबर, 2014 को मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट का गठन किया और नारनौल में 'मनुमुक्त भवन' का निर्माण कर उसमें वातानुकूलित लघु सभागार, संग्रहालय और पुस्तकालय की स्थापना की। ट्रस्ट द्वारा अढाई लाख का एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार, एक लाख का एक राष्ट्रीय पुरस्कार, 21-21 हजार के दो तथा 11-11 हजार के तीन राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय

पुरस्कार और सौ मनुमुक्त 'मानव' स्मृति-सम्मान प्रारंभ किए। दोनों बड़े पुरस्कार फिलहाल स्थगित? हैं, किंतु शेष सभी पुरस्कार-सम्मान? प्रतिवर्ष, नियमित रूप से, प्रदान किए जा रहे हैं। 'मनुमुक्त भवन' में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम भी निरंतर चलते रहते हैं, जिनमें अब तक भारत के अतिरिक्त जापान, फीजी, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया, नेपाल, श्रीलंका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, जर्मनी, फ्रांस, नॉर्वे, तुर्की, रूस, मॉरिशस, कोस्टारिका, अमेरिका, कनाडा आदि दो दर्जन देशों की लगभग पांच सौ विशिष्ट विभूतियाँ सहभागिता कर चुकी हैं। ट्रस्ट द्वारा ऑन लाइन आयोजित कार्यक्रमों में तो 55-60 देशों के विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख साहित्यकार, पत्रकार, फिल्मकार, शिक्षाविद्, समाजसेवी, पर्यावरणविद्, खिलाड़ी, पर्वतारोही, प्रशासनिक अधिकारी और राजनेता जुड़ चुके हैं तथा यह सिलसिला अब भी जारी है। मात्र सात वर्ष की अल्पावधि में ही, अपनी उपलब्धियों के कारण, नारनौल का 'मनुमुक्त भवन' अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित हो चुका है। ट्रस्ट द्वारा 15 अगस्त, 2021 में, भारत की स्वतंत्रता के अमृत-महोत्सव के अवसर पर आयोजित 'वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय कवि-सम्मेलन' को, विश्व के सर्वाधिक देशों के सबसे बड़े कवि-सम्मेलन के रूप में 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज किया जा चुका है। छह महाद्वीपों और इक्यावन देशों के पिचहतर कवियों ने इस कवि-सम्मेलन में एक साथ काव्य-पाठ कर यह विश्व-रिकॉर्ड बनाया था।

मनुमुक्त 'मानव' युवा शक्ति के प्रतीक ही नहीं, प्रेरणा-स्रोत भी थे। देहांत के एक दशक बाद भी उन्हें बड़े सम्मान के साथ स्मरण किया जाता है। परिवार ने मीडिया, सोशल मीडिया और फेसबुक के माध्यम से उनकी प्रेरक स्मृतियों को जीवित रखा हुआ है। इसके लिए मनुमुक्त की बड़ी बहन और विश्वबैंक, वाशिंगटन डीसी (अमरीका) की वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ. एस अनुकृति का भी भरपूर सहयोग रहता है। अंत में मनुमुक्त की बैचमेट, भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी और संप्रति धमतरी (छत्तीसगढ़) की जिलाधिकारी नम्रता गांधी के शब्दों में इतना ही कहा जा सकता है, ₹मनुमुक्त हमारे लिए बड़े भाई, मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे। उनके व्यक्तित्व में उत्तम हास्य का समावेश था, वहीं उनका दिल भी विशुद्ध सोने का बना था। उनके अंतर्मन में बड़ी गहराई थी, जिसका बाहर से अनुमान लगाना कठिन था। वह शानदार प्रशासक, स्वाभाविक नेता, श्रेष्ठ टीम-खिलाड़ी, सम्मानित वरिष्ठ, विश्वसनीय कनिष्ठ और सबके चहेते साथी तथा सहयोगी थे। हममें से किसी के लिए भी उन्हें भुला पाना संभव नहीं है। --प्रियंका सौरभ

धीमी न्यायिक प्रक्रिया के विकल्प पर सोचना होगा

उलेमा बनाम उत्तरी दिल्ली मामले पर सुनवाई के दौरान जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणियां की थीं, इस मामले पर आए फैसले का अंदेशा उनसे हो गया था। सबसे बड़ी अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई पर पूरी रोक तो नहीं लगाई है, लेकिन इसके लिए मानक प्रक्रिया बनाकर राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के हाथ जरूर बांध दिए हैं। जैसा कि हर फैसले के साथ होता है, हर पक्ष अपने-अपने हिसाब से इसकी व्याख्या कर रहा है। बुलडोजर कार्रवाई के विरोधी इसे अपनी जीत बता रहे हैं, वहीं इसके समर्थक इस फैसले में भी कार्रवाई के लिए राह खोज रहे हैं। इससे साफ है कि बुलडोजर न्याय सिर्फ स्पीड ब्रेकर का काम करेगा, ब्रेक नहीं बन पाएगा। स्पीड ब्रेकर तेज रफ्तार वाहनों की रफ्तार को धीमी करता है, जबकि ब्रेक गाड़ी को रोक देता है। यह फैसला भी कुछ इसी तरह का साबित होने जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है। बरसों तक धीमी गति से चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया का एक संदेश यह है कि ताकतवर चाहे तो अपराध करने के बावजूद प्रक्रिया की घुमावदार गलियों में न्यायिक फैसले को टाल सकता है। यह टालना इतना लंबा हो जाता है कि एक तरह से वह न्याय से इनकार हो जाता है। देर है पर अंधेर नहीं की सोच भी उबाऊ और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के सामने धुंधली होते-होते समाप्त हो जाती है। इसी घुमावदार और लंबी-धीमी न्यायिक प्रक्रिया का विकल्प बनकर बुलडोजर न्याय उभरा था। राज्य सरकारों ने इसे त्वरित न्याय के साधन के तौर पर अपनाया और देखत ही देखते अपराधमुक्त समाज की चाहत रखने वालों की चहेती बन बैठीं।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई की मानक प्रक्रिया बनाते हुए त्वरित न्याय के विकल्प या न्यायिक प्रक्रिया की घुमावदार गलियों को पूरी तरह नजरंदाज किया है। यही वजह है कि इस फैसले के बाद अपराधियों, गैंगस्टरों, असामाजिक तत्वों के उभार को लेकर समाज का एक बड़ा वर्ग सशंकित हो उठा है। देश की सबसे बड़ी अदालत होने के चलते सुप्रीम कोर्ट को इस सामाजिक सोच का भी संज्ञान लेना चाहिए और उसे भी आश्वस्त करना चाहिए कि उसके फैसले के बावजूद किसी गैंगस्टर, कोई अपराधी या समाज विरोधी तत्व को कमजोर तबके की जमीनों या सार्वजनिक संपत्तियों के अतिक्रमण का हक नहीं मिल जाता।

सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उत्तरी दिल्ली के एक मामले में दिया है। अप्रैल 2022 में दिल्ली के जहांगीर पुरी में रामनवमी के दिन निकले जुलूस पर एक मस्जिद और उस इलाके से जुलूस पर हुए पथराव और उससे उपजी हिंसा के जवाब में दिल्ली नगर निगम ने अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए बुलडोजर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई को सांप्रदायिक कार्रवाई का रंग देते हुए सेकुलर धारा के दिग्गज वकीलों मसलन कपिल सिब्बल आदि ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। भले ही सुनवाई इसी मामले की होती रही, लेकिन संदेश ऐसा गया मानो उत्तर प्रदेश की सरकार की बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ सुनवाई हो रही है। इसकी वजह यह रही कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने त्वरित न्याय के विकल्प के रूप में इसे अपनाया। तब उत्तर प्रदेश सरकार को लेकर यह छवि बनाई गई कि वह सिर्फ अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम तबकों के खिलाफ ही बुलडोजर कार्रवाई करती है। जबकि योगी सरकार ने बिरादरी से ब्राह्मण लेकिन कर्म से माफिया और गैंगस्टर विकास दुबे के खिलाफ भी इस कार्रवाई को किया। भदोही के बिरादरी से पंडित गैंगस्टर और राजनेता विजय मिश्रा की अतिक्रमित संपत्तियां भी उत्तर प्रदेश सरकार के निशाने पर रहीं। लेकिन प्रचारित सिर्फ अतीक, मुख्तार जैसे मुस्लिम दबंगों और माफियाओं की संपत्तियों के खिलाफ हुई कार्रवाई ही की जाती रहीं। इस बहाने त्वरित न्याय के इस सरकारी विकल्प को हिंदुत्ववादी राजनीतिक दर्शन का ना सिर्फ नतीजा बताया गया, बल्कि यह नैरेटिव स्थापित कर दिया गया। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर आम लोगों के बीच संदेश यही गया है कि यह उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ आया फैसला है।

बुलडोजर कार्रवाई को लेकर प्रचारित सिर्फ योगी सरकार रही, लेकिन अवैध अतिक्रमण के खिलाफ आंध्र, तेलंगाना, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि सरकारों ने भी की है। एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले सात सालों में करीब 2000 अवैध अतिक्रमण बुलडोजर कार्रवाई में ढहाए गए। जिनमें सबसे ज्यादा करीब डेढ़ हजार मामले उत्तर प्रदेश के ही रहे। लेकिन उत्तर प्रदेश में इस कार्रवाई से खाली कराई गई जमीनों को कमजोर तबकों में बांटा भी गया है। करीब सात सौ ऐसे प्लॉट बांटे जा चुके हैं। इसकी चर्चा कम हो रही है।

निश्चित तौर पर इससे किसी को इनकार नहीं होगा कि किसी अपराधी के अपराध की कीमत उसका पूरा परिवार अपना घर गवांकर क्यों चुकाए। लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि अपराधी का घर भी अगर सरकारी तंत्र के निशाने पर बना तो उसकी वजह उसका नियमित निर्माण नहीं, बल्कि अवैध कब्जा और अतिक्रमण रहा।

अब तक बुलडोजर कार्रवाई नगर पालिकाओं, पंचायती राज संस्थाओं का विषय रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसे में स्थानीय जिला अधिकारी और उप जिलाधिकारी भी शामिल हो गए हैं। अवैध कब्जे और अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई जिला अधिकारी की निगरानी में होगी और इसके लिए मान्य प्रक्रिया और नोटिस आदि देने की अवधि का पूरी तरह निर्वहण किया जाएगा। इस प्रक्रिया की राह में एक बाधा नजर आ रही है। जिला प्रशासन समय और काम के बोझ का बहाना बनाकर ऐसी कार्रवाइयों को टाल सकता है। अपराधी, माफिया और गैंगस्टर कब्जे करते रहेंगे, और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के चलते वे अपने अपराध को प्रकारांतर से स्थापित करते रहेंगे। इससे त्वरित न्याय प्रक्रिया की वैकल्पिक सोच भी कुंद होगी। ऐसे में न्याय की उम्मीद भी धुंधली होगी। ऐसे में आपराधिक तत्वों पर लगाम लगा पाना आसान नहीं रह जाएगा।

बुलडोजर कार्रवाई के माननीकरण वाले फैसले के बाद खास नैरेटिव को बढ़ावा मिलेगा। यह धारणा बलवती होगी कि सिर्फ हिंदुत्ववादी सरकारें ही बुलडोजर न्याय पर भरोसा करती हैं। सुप्रीम कोर्ट तो खुद मीडिया के बीच इस छवि के खंडन के लिए जा नहीं सकता। इसलिए दूसरे जिम्मेदार तंत्र को इस दिशा में प्रयास करना चाहिए। लगे हाथों सुप्रीम कोर्ट को न्याय में देरी और उसकी धीमी प्रक्रिया को भी नियंत्रित करने की कोशिश करनी चाहिए। ताकि बुलडोजर न्याय की जरूरत ही ना पड़े। अगर न्यायिक प्रक्रिया सामान्य तरीके से चलती रहे तो शायद ही कोई होगा, जो बुलडोजर कार्रवाई को ही न्याय का अंतिम विकल्प माने।

-उमेश चतुर्वेदी

हर्षवर्धन कपूर और खुशी कपूर बने कॉनवर्स ब्रांड के नए चेहरे

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सेल्फ-एक्सप्रेशन और स्टाइल के लिए मशहूर ग्लोबल ब्रांड, कॉनवर्स हर्षवर्धन कपूर और खुशी कपूर को भारत में अपने ब्रांड के नए चेहरों के रूप में पेश करते हुए उत्साहित है। यह घोषणा मुंबई के लिंकिंग रोड पर अपने पहले स्टोर लॉन्च से ठीक पहले की गई है। दोनों ही अभिनेता ब्रांड की रचनात्मकता और खुद को प्रामाणिक रूप से व्यक्त करने की भावना को बखूबी दर्शाते हैं। हर्षवर्धन कपूर, जो खुद एक बड़े स्नीकर लवर और लंबे समय से कॉनवर्स के प्रशंसक रहे हैं, ब्रांड की आत्म-अभिव्यक्ति की सोच को बेहतरीन से परिभाषित करते हैं। उनका अनोखा और एक्सपेरिमेंटल फैशन सेंस, जो अक्सर शानदार स्नीकर लुक से पूरा होता है, कॉनवर्स की वास्तविकता और स्टाइल का बेहतरीन उदाहरण है।

वहीं, खुशी कपूर, जो अपने हटकर और अनूठे फैशन स्टाइल के लिए जानी जाती हैं, कन्वेंशनल और फामूलाइक स्टाइल्स से हटकर अपनी अलग पहचान बनाती हैं। चाहे रेड कार्पेट हो या फिर सिनेमा, उनका अनूठा स्टाइल हमेशा ही उन्हें देखने वाले का ध्यान खींच लेता है। उनकी शानदार फैन फॉलोइंग और कूल फैशन की गहरी समझ के कारण, खुशी की दमदार पर्सनैलिटी कॉनवर्स की सोच से पूरी तरह मेल खाती है, जो नई पीढ़ी को खुद से प्यार करने के लिए प्रेरित करता है।

यह साझेदारी नई पीढ़ी को बेहतर बनने के लिए प्रेरित करने की ब्रांड की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जल्द ही मुंबई के लिंकिंग रोड पर अपने पहले स्टोर के लॉन्च के साथ, कॉनवर्स एक नया शॉपिंग अनुभव और भारत के बढ़ते स्नीकर कल्चर में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

उत्तर भारतीय दीपावली स्नेह मिलन समारोह संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन मुलुंड हाई स्कूल, चंदन बाग रोड, मुलुंड पर उत्तर भारतीय संगम द्वारा किया गया।

इस अवसर पर गीत संगीत का कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध लोकगीत गायक रॉबीन यादव सभी का मनोरंजन किया। समारोह की अध्यक्षता रमाशंकर तिवारी एवं संचालन डॉ बाबूलाल सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रुप में राकेश शेट्टी (म वि आ -कांग्रेस उम्मीद वार),मुंबई कांग्रेस के उपाध्यक्ष गोविन्द सिंह, सचिव किशोर मुंडेकल, उत्तम गीते (जिला कार्याध्यक्ष), डॉ आर आर सिंह (वरिष्ठ कांग्रेस नेता), समाजसेवी के. एन सिंह, बीरेंद्र पाठक, राजेंद्र श्रीवास्तव, सुक्खु गुप्ता, मंगला शुक्ला, मदनलाल मौर्य, रमेश यादव, अब्दुल जे खान, सफतुल्ला चौधरी उपस्थित रहे। आयोजक डॉ. सचिन सिंह,डॉ. आर.एम.पाल, अमित जायसवाल, शिवनारायण जायसवाल, ओमप्रकाश जैसवार, मोहित सिंह, बबिता गुप्ता, शरीफ खान, अनिरुद्ध दुबे ने गमछा एवं पुष्प गुच्छ देकर किया। समारोह में महिला नेता नीता जोशी, अश्विनी पोछे, अलका सावला, कालिंदा शिंगाड़े,भारती बागवे, पुष्पा साकरी , मीना सोलिया, सौ. भागवत, आस्था गुप्ता, गायत्री पाल, का सम्मान किया गया।इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रुप में बाबूराम चौधरी, रविन्द्र अग्रवाल शशिकांत यादव, हरीश गुप्ता,अरविंद यादव, राजेंद्र उटवाल, प्रकाश जैसवाल, रईस खान, संतोषसिंह,भरत चौबे,अनिल यादव,सानू शेख,सोनू सिंह ,अभयराज यादव,सुभाष पांडे, जयभारत सिंह,दयाशंकर पाल,गया प्रसाद गुप्ता, दीनानाथ यादव,प्रकाश मौर्य,अनिल (छोटू)यादव,अरुण यादव, अमित यादव, सुरेंद्र मिश्रा, जगदीश शर्मा, बॉबी शर्मा,आकाश पांडे, नितेश सिंह, सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सायन कोळीवाडा विधानसभा क्षेत्र के महा विकास आघाड़ी की बैठक संपन्न

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। कांग्रेस व महा विकास आघाडी के उम्मीदवार शिक्षित युवा नेता गणेश कुमार यादव के कार्यालय सायन पश्चिम में कामगार नेता कांग्रेस सचिव महाराष्ट्र इंटक नेता , जनरल इंश्योरेंस एजेंट एसोसिएशन के महासचिव अनिल गुलाबराव गाणाचार्य , कांग्रेस वरिष्ठ नेता वी आनंद राज , वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरविंद मकवाना , ब्लॉक उपाध्यक्ष आजम शेख , प्रकाश पवार कोषाध्यक्ष , राजेश पवार , नातू गवनकर , एसटी राजा भाई तथा विजय भोईर आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बैठक में चर्चा करते हुए अनिल गाणाचार्य ने कहा कि हम सब मिलकर गणेश कुमार यादव को भारी मतो से विजयी बनाए। गणेश कुमार यादव की जीत हम-सब की जीत है। अरविंद मकवाना ने कहा कि सायन कोलीवाड़ा की जनता इस बार परिवर्तन चाहती है और परिवर्तन हो कर रहेगा।

डोंबिवली से भाजपा प्रत्याशी कैबिनेट मंत्री रवींद्र चव्हाण की भव्य प्रचार रैली

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। बीजेपी के कैबिनेट मंत्री रवींद्र चव्हाण ने आज चुनाव के आखिरी रविवार को डोंबिवली में मतदाताओं से जुड़ने के लिए एक भव्य प्रचार रैली का आयोजन किया। रैली में बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता शामिल हुए। अनेक सामाजिक संगठनों ने रविंद्र चव्हाण को अपना समर्थन घोषित किया है। रैली में कार्यकताओं ने ढोल ताशों की गूंज में चव्हाण पर फूलों की वर्षा की। डोंबिवली पूर्व के म्हात्रे नगर से शुरू होकर दत्तनगर रोड से होते हुए फड़के रोड पर रैली समाप्त हुई। रैली में नागरिकों का भरपूर प्रतिसाद मिला। मीडिया से बात करते हुए रवींद्र चव्हाण ने विश्वास जताया किया कि डोंबिवली महायुति का गढ़ होने से यहां की जनता महायुति की झोली में मतदान करेंगी।

सत्या तिवारी द्वारा आयोजित बाटी चोखा कार्यक्रम में हजारों की भीड़

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर युवा मंच द्वारा आयोजित सुंदरकांड पाठ एवं स्नेह मिलन समारोह व दाल बाटी चोखा के कार्यक्रम में हजारों की संख्या में उमड़ा भीड़ ।इस कार्यक्रम में वर्षा राम कदम,उत्तर प्रदेश बस्ती जनपद हरैया विधानसभा के विधायक अजय सिंह, विस्तारक अशोक दुबे,मनोज सिंह, शिवगणेश शर्मा, निर्मल सिंह, वरिष्ठ पत्रकार निर्मल त्रिवेदी, पत्रकार राम कुमार मधुकर, पत्रकार शिवदिनेश शर्मा,रविंदर सिंह, संजीव तिवारी, संजय गणेश सिंह, सूरज तिवारी, अशोक धुरिया,राजेश मिश्रा, रज्जाक सेकड़ा, महेश कनौजिया, भीमराव सोनावाने,आदि बड़ी संख्या में प्रसाद ग्रहण करने उमड़ा भीड़।

इस कार्यक्रम के आयोजक सत्या तिवारी ने बताया कि सुंदरकांड पाठ एवं स्नेह मिलन समारोह में इतनी बड़ी संख्या में प्रसाद ग्रहण करने लोगों की भीड़ आयेगी मुझे विश्वास नहीं था लेकिन मेरा परम सौभाग्य रहा कि हजारों की संख्या में लोगों की उपस्थित हुई और सभी लोगों को प्रसाद मिला।

उत्तर भारतीय संघ द्वारा भव्य कवि सम्मेलन एवं स्नेह मिलन समारोह संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय संघ लालबाग शाखा द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन व स्नेह मिलन समारोह शनिवार 16 दिसंबर 2024 शाम 5 बजे से रात 10 तक मनाया गया ।कार्यक्रम का संयोजन उत्तर भारतीय संघ के उपाध्यक्ष अक्षैवर तिवारी,महामंत्री देवेंद्र तिवारी,प्रभारी व केंद्रीय समिति सदस्य प्रहलाद पांडे,संयोजक व लालबाग शाखा अध्यक्ष जसवंत यादव ने किया ।इस बीच प्रमुख उपस्थिती शिवसेना (यूबीटी) उम्मीदवार खासदार आदरणीय मिलिंद देवरा,म.न.से.नेता व पूर्व आमदार बालासाहेब नांदगांवकर, सीमेंस यूनियन लीडर मनोज यादव,म.न.से.विभाग प्रमुख उजाला यादव, सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट विश्वस्त, राजाराम देशमुख,विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष उमेश यादव, कर्ज मुक्ति अभियान अध्यक्ष डॉ. सुरेश यादव,पूर्व आईपीएल क्रिकेटर राजकुमार यादव,व्यवसायी व समाजसेवी राम मूरत यादव,भरत यादव,विजय नाथ तिवारी,अखिलेश तिवारी,गणेश प्रताप सिंह,रमेश गुप्ता,राजेश गुप्ता,आर.के.मिश्रा, बृजेश शुक्ला,राधेश्याम यादव, विनोद जायसवाल व उत्तर भारतीय संघ लालबाग शाखा के अन्य पदाधिकारी सदस्य गण उपस्थित थे ।कार्यक्रम का शुभारंभ गायक व कलाकार प्रशांत त्रिपाठी द्वारा हुआ जिन्होंने अपने गीतों से समां बांध दिया ।इसके बाद कवि सम्मेलन का शुभारंभ हुआ जिसका सूत्र संचालन लाल बहादुर यादव कमल ने किया। आमंत्रित कवियों में कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप,मंगेश पेडामकर, श्रीमती अन्नपूर्णा गुप्ता (सरगम), श्रीमती रोशनी किरण,दमयंती शर्मा जी, गजलकार हीरालाल यादव,अंजनी कुमार द्विवेदी,जौनपुर से गीतकार रविन्द्र कुमार शर्मा दीप,मन्नू यादव तथा रवि यादव की कविताओं ने सभी लोगो का मन मोह लिया।अंत में लालबाग शाखा अध्यक्ष जसवंत यादव ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं साहित्यकारों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. का 20 वां वार्षिक सम्मेलन 12 जनवरी को

पनवेल, नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था की कार्यकारिणी की बैठक रविवार 17 नवंबर को पनवेल में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.पी. प्रजापति की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में कार्यकारिणी के सदस्यों ने सर्वसम्मति से तय किया कि संस्था का 20वां वार्षिक सम्मेलन रविवार 12 जनवरी 2025 को आंध्र कला समिति हॉल, सेक्टर- 2, नवीन पनवेल (नवी मुंबई) में कराया जाएगा।

सम्मेलन में प्रतिभा सम्मान- समाज के मेधावी छात्रों के लिए। वर- वधु परिचय- समाज के विवाह योग्य युवकों-युवतियों के लिए। प्रजापति समाज रत्न सम्मान 2025- समाज के विशिष्ट महानुभावों के लिए। महानुभावों द्वारा प्रोत्साहन व्याख्यान-शैक्षणिक प्रगति, आर्थिक उन्नति, सामाजिक चेतना, राजनीतिक भागीदारी पर विशेष संबोधन। व्यवसाय/ रोजगार सृजन पर विशेष चर्चा। बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं संस्था के विस्तार आदि विषय रखे जाएंगे।

संस्था समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए आग्रह करती है।

बैठक में गजेंद्र प्रजापति, बंधु प्रजापति, गोवर्धन प्रजापति, राजेंद्र प्रजापति, लव कुमार प्रजापति, आकाश प्रजापति, डॉ.ज्ञान प्रकाश प्रजापति, भगवान दास प्रजापति, संजय कुंभार, विशाल प्रजापति, विकास प्रजापति, रोहित प्रजापति, इंद्र कुमार प्रजापति, सियाराम प्रजापति एवं प्रियांश प्रजापति आदि कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया।

डोंबिवली में केरलिया समाजम संस्था की ओर से सामूहिक अंतरजातीय विवाह समारोह

सामुहिक शादी में पहुंचे मनसे विधायक - राजू पाटील

डोंबिवली(उत्तरशक्ति)। डोंबिवली में शैक्षणिक संस्थान के अलावा करलिया समाजम संस्था की ओर से विभिन्न गतिविधियां और सामाजिक कार्य किए जाते हैं। समाजसेवा में संगठन की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। संगठन के अमृत महोत्सवी वर्ष है के उपलक्ष्य में खंबालपाड़ा के मॉडल कॉलेज में अंतरजातीय सामूहिक विवाह का आयोजन हुआ। ठाणे शहर के साथ-साथ डोंबिवली शहर और आसपास के इलाकों के गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए यह सामूहिक अंतरजातीय विवाह समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें में 15 जोड़ियां शादी के बंधन में बंध गए। ऐसी जानकारी रविवार संस्था के अध्यक्ष वर्गीस दानियर ने हमें दी।

इस अवसर पर अध्यक्ष वर्गीस दानियर, सचिव राज शेखरन, वित्त सचिव बिनॉय थॉमस, उपाध्यक्ष सोममधु, कला एवं सांस्कृतिक सचिव सुरेश बाबू, होली एंजेल स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष ओमान डेविड आदि उपस्थित थे। संगठन के अध्यक्ष वर्गीस दानियर ने कहाकि केरल समाज कई वर्षों से सामाजिक गतिविधियां कर रहा है और सामूहिक अंतरजातीय विवाह समारोह आयोजित कर रहा है। इस अवसर पर मनसे उम्मीदवार प्रमोद (राजू) पाटिल ने कार्यक्रम में भाग लिया और केरल समाज की सामाजिक गतिविधियों की प्रशंसा करते हुवे वरवधू को आशीर्वाद दिया।

कालीना विधानसभा में अमरजीत सिंह को लेकर जनता में उत्साह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं और हिंदुत्व व सनातन को लेकर सरकार की स्पष्ट भूमिका को देखते हुए कालीना विधानसभा की जनता महायुति प्रत्याशी अमरजीत सिंह के पक्ष में खड़ी दिखाई दे रही है। अमरजीत सिंह की चुनावी रैलियां में जिस तरह हर वर्ग के मतदाता खुलकर अपना समर्थन और आशीर्वाद दे रहे हैं, उससे अमरजीत सिंह तथा उनके समर्थकों में साफ तौर पर खुशी देखी जा सकती है। अमरजीत सिंह ने लगातार इस विधानसभा में रहकर बिना किसी भेदभाव के जनता के बीच काम किया। यही कारण है कि बड़ी संख्या में मुस्लिम तथा क्रिश्चियन मतदाता भी उनके साथ जुड़ गए हैं। पूर्व विधायक संजय पोतनिस की निष्क्रियता तथा जनता से बनाई गई दूरी, अमरजीत सिंह के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। अमरजीत सिंह ने जनता से साफ तौर कहां है कि जीतने के बाद वे केंद्र और राज्य सरकार की मदद से ना सिर्फ यहां की बुनियादी समस्याओं का निस्तारण करेंगे अपितु विधानसभा को नंबर एक बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उत्तर भारतीय मतदाताओं की पूरी कोशिश है कि उनके मतों का बंटवारा न हो। ऐसे में कुल मिलाकर यहां का राजनीतिक समीकरण अमरजीत सिंह के पक्ष में दिखाई दे रहा है।

महायुति के उम्मीदवार विश्वनाथ भोईर ने किया प्रचार अभियान तेज

सभी सहयोगी दल एकजुट- विश्वनाथ भोईर की जीत की राह आसान

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम में शिवसेना महायुति के उम्मीदवार विश्वनाथ भोईर ने हिंदू हृदय सम्राट बाला साहेब ठाकरे के चरणों में प्रार्थना करते हुवे कहा कि आम जनता, महिलाओं, मजदूरों, किसानों और हिंदुत्व के बारे में सोचने वाली महायुति की सरकार फिर से आए और राज्य का कामकाज चलाए। जिस तरह से बालासाहब ठाकरे ने आदर्श स्थापित किया है, उसी प्रकार महाराष्ट्र समृद्ध हो। हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे के आज स्मृति दिवस पर, भोईर ने भगवा तलाव पर स्थित बालासाहेब के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। आज अपनी चुनावी रैली शुरू करने से पहले उन्होंने बालासाहेब के स्मारक स्थल का दौरा किया। अब विधानसभा चुनाव का प्रचार अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है और प्रचार थमने में सिर्फ एक दिन बचा है। इस पृष्ठभूमि में, कल्याण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना भाजपा राष्ट्रवादी आरपीआई महायुति के उम्मीदवार विश्वनाथ भोईर ने भी प्रचार अभियान को तेज कर दिया है।

आज उन्होंने आधारवाड़ी, अन्नपूर्णा नगर, वाडेघर, साईं बाबा मंदिर, सापरडे, हिराचा पाड़ा आदि स्थानों पर एक भव्य रैली आयोजित की। पिछली रैली की तरह ही आज इस रैली का भी विभिन्न चौक-चौराहों पर स्वागत किया गया

शिवसेना जिला प्रमुख अरविंद मोरे, भाजपा के वरुण पाटिल, पूर्व नगरसेवक जयवंत भोईर, पूर्व स्थायी समिति सभापति संदीप गायकर, भाजपा की हेमा नरेंद्र पवार, प्रिया शर्मा, पूर्व नगरसेविका वैशाली भोईर, महिला संगठक छाया वाघमारे, शहर संगठक नेत्रा उगले, रामदास करभारी सहित बड़ी संख्या में महायुति के सहयोगी दल के प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता रैली में शामिल हुए.

भाजपा प्रत्याशी महेश चौगुले को विजयी बनायें और विरोधियों की जमानत जप्त करायें: रवि किसन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी। महाराष्ट्र राज्य विधानसभा चुनाव प्रचार इस समय चरम पर है, भिवंडी पश्चिम विधानसभा से महायुति के भाजपा प्रत्याशी महेश चौगुले के चुनाव प्रचार में फिल्म कलाकार , प्रोड्यूसर गोरखपुर से सांसद रवि किशन की जनसभा भंडारी चौक पर भाजपा भिवंडी शहर जिला द्वारा उत्तर भारतीय मोर्चा की अगुवाई में आयोजित की गयी जहाँ हजारों की संख्या में महिला, पुरुष उपस्थित थे । बतादें कि भिवंडी पश्चिम महायुति के भाजपा उम्मीदवार महेश चौगुले के प्रचार में आये रवि किशन ने अपने भाषण में उत्तर भारतीयों के साथ समस्त भोजपुरी भाषी लोगों से भोजपुरी भाषा में महेश चौगुले को भारी मतों से विजयी बनाने का वादा लिया और विजयी होने की अग्रिम बधाई माला पहना कर महेश चौगुले का स्वागत किया । रवि किशन ने जनता को संबोधित करते हुये जातियों में न बटकर केवल हिंदू के नाम पर महेश चौगुले को भारी मतों से विजयी बनायें और विरोधियों की जमानत जप्त कराये उसी अपील किया जिसका समर्थन उपस्थित महिला व पुरुषों ने हाथ उठाकर किया । चुनावी सग्राम में जिस प्रकार जनता का समर्थन महेश चौगुले को मिल रहा है चौगुले की जीत तय मानी जा रही है । इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट हर्षल पाटिल , महासचिव एड प्रवीण मिश्रा , विशाल पाठारे , उत्तर भारतीय मोर्चा अध्यक्ष मंगेश यादव , पूर्व नगरसेवक यशवंत टावरे , निलेश चौधरी , हनुमान चौधरी , प्रकाश टावरे , साखरा ताई बागड़े , महिला मोर्चा जिला अध्यक्षा सुनीता टावरे , बालमुकुंद शुक्ला , जियालाल गुप्ता, सुनीता यादव , रामनारायण सोनी, कृष्णा हलवाई, राकेश पाल, विनोद मौर्या, मिथलेश ठाकुर मनोज यादव, शिलानंद झा, उदयकिशोर ठाकुर, अनिल केशरवानी, ओंकार पाण्डेय, अजित झा जिला प्रचार प्रमुख पी डी यादव आदि असंख्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

केराकत में पिकअप की चपेट में आने से बाइक चालक की मौत, दूसरा घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के आजाद नगर बाजार के पास बाइक सवार और पिकअप की आमने- सामने टक्कर हो गई। जिससे बाइक चला रहे युवक की मौके पर मौत हो गई। वहीं बाइक पर बैठा दूसरा युवक घायल हो गया। जफराबाद थाना क्षेत्र के करमही गांव का जोगेंद्र गौतम शनिवार को अपने रिश्तेदार संजय कुमार के साथ बाइक से केराकत चौथ में शामिल होने गया था। देर रात में जोगेंद्र और संजय खाना खाकर एक बाइक से वापस लौट रहे थे। जोगेंद्र अपने रिश्तेदार संजय कुमार को उसके घर अमरा छोड़ने के लिए जा रहा था। जैसे ही जोगेंद्र आजाद नगर बाजार के पास पहुंचा तभी विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप से आमने- सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक चला रहा जोगेंद्र गौतम (23) पुत्र बेचूं राम की मौके पर ही मौत हो गई। वही संजय कुमार (34) निवासी अमरा थाना गौराबादशाहपुर घायल हो गया। संजय का पैर टूट गया और सिर में भी चोट आई है। मौके पर पहुंची केराकत थाने की पुलिस ने घायल संजय कुमार को जिला अस्पताल भिजवाकर जोगेंद्र के शव को कब्जे में ले लिया। वहीं घटना के बाद पिकअप चालक फरार हो गया। दुकानदारों ने बताया कि पिकअप की एक साइड की लाइट बंद थी। जिसके कारण यह दुर्घटना घटी। जोगेंद्र की मौत के बाद उसके घर में कोहराम मच गया। रात में ही काफी संख्या में ग्रामीण मर्चरी हाउस पहुंच गए। जोगेंद्र दिल्ली में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था। अभी दो सप्ताह पहले ही घर आया था। बेटे की मौत की खबर सुनकर मां मनतारा देवी रोते- रोते बेसुध हो जा रही हैं। प्रभारी निरीक्षक केराकत अवनीश राय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों द्वारा तहरीर मिलते ही उक्त वाहन चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

एएनटीएफ लखनऊ यूनिट व थाना चन्दवक पुलिस की संयुक्त टीम ने 82 किलो गांजा व स्कार्पियों के साथ 1 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

चंदवक,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ए.एन.टी.एफ. लखनऊ यूनिट लखनऊ व थाना चन्दवक पुलिस

की संयुक्त टीम ने 82 किग्रा गांजा व स्कार्पियों वाहन के साथ 01 अभियुक्त को किया गिरफ्तार, डॉ0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के द्वारा स्वापक औषधि व मादक पदार्थों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी केराकत महोदय के निकट पर्यवेक्षण में निरीक्षक दर्शन यादव प्रभारी ए.एन.टी.एफ. लखनऊ यूनिट लखनऊ मय हमराह व थानाध्यक्ष चन्दवक थानाध्यक्ष बृजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आज दिनांक-17.11.2024 को थाना चन्दवक पुलिस द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर ग्राम बजरंग नगर के पास से अभियुक्त हेमन्त सिंह पुत्र अमरेन्द्र सिंह निवासी विशुनपुर लेवरुवा थाना चन्दवक जनपद जौनपुर को 82.00 किग्रा नाजायज गाँजा के साथ मय एक मोबाइल ओप्पो ,एक चार पहिया वाहन स्कार्पियो वढ 65 ऊ3099 सहित समय 07.05 बजे गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्त 1.हेमन्त सिंह पुत्र अमरेन्द्र सिंह निवासी विशुनपुर लेवरुवा थाना चन्दवक जनपद जौनपुर। आपराधिक इतिहास, 1.मु0अ0सं0-274/24 धारा-8/20/60 एनडीपीएस एक्ट थाना चंदवक जौनपुर। बरामदगी का विवरण- 1.82.00 किग्रा नाजायज गाँजा 2.एक मोबाइल ओप्पो 3.एक चार पहिया वाहन स्कार्पियो वढ 65 ऊ3099

तिलक समारोह में व्यस्त था परिवार, चोरों ने लगा दी 40 हजार की चपत

डॉ.एस.के.मिश्र

राणसी,(उत्तरशक्ति)। जनपद लंका थाना अंतर्गत नारायणपुर डाफी के मीनाक्षीपुरम इलाके में बीती रात करीब 40 लाख रुपये की चोरी की घटना सामने आई है। यह घटना राजेश कुमार सिंह के घर पर घटी, जब परिवार अपनी बेटी की तिलक और अंगूठी की रस्म के आयोजन में व्यस्त था। राजेश कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार की रात वह अपने परिवार के साथ अमरा अखरी चौराहा स्थित अल्का पैलेस लॉन में आयोजित तिलक समारोह में गए थे। जहां उनके बेटी की शादी से पहले उनके होने वाले दामाद का तिलक चढ़ाया जा रहा था। जब वे रात 11 बजे लौटे, तो उन्होंने देखा कि उनके घर का मुख्य गेट और कमरे का ताला टूटा हुआ है। चोरों ने उनके कमरे से 13 लाख रुपये नकद और लगभग 27 लाख रुपये के स्वर्ण आभूषण चुरा लिए, जिनमें 11 अंगूठियां, 6 कान के टॉप्स, 2 मंगलसूत्र, 2 चेन, गले का एक हार, 2 कंगन, 4 चूड़ियां, पायल और चांदी के बर्तन शामिल हैं। घटना की सूचना तुरंत 112 और लंका थाने को दी गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीम सुबह 8 बजे घटनास्थल पर पहुंची।लेकिन परिजनों ने शिकायत की कि यदि टीम रात में ही पहुंचती। तो कुछ सुराग मिल सकते थे। शांति प्रकाश उर्फ पिंटू ने बताया कि इलाके में पिछले कुछ समय में कई चोरियां हो चुकी हैं लेकिन कॉलोनी में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाए गए हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं ताकि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। परिजनों ने पुलिस से जल्द चोरों का पता लगाने और चोरी हुआ सामान वापस दिलाने की अपील की है। शादी के माहौल में हुई इस घटना ने परिवार को सदमे में डाल दिया है।

अब गोदौलिया पर नहीं बनेगा रोपवे स्टेशन

तलाशी जाएगी दूसरी जगह, सीएम ने दिए निर्देश

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। अंतर्गत गोदौलिया पर बनने वाला रोपवे का स्टेशन अब वहां नहीं बनेगा। यह शनिवार को साफ हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों और अफसरों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि आपसी सहमति से दूसरी जगह तलाश करिए। इसके बाद अब अफसर गोदौलिया और गिरजाघर के बीच में कहीं स्टेशन बनाने के विकल्प तलाशने में जुट गए हैं। यदि स्टेशन का स्थान बदला तो डीपीआर बनने और उसके पार्ट्स तैयार होने में करीब 6 महीने का समय लग जाएगा। ऐसे में प्रोजेक्ट करीब एक साल और आगे बढ़ सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों से कहा कि गोदौलिया चौराहे को लेकर यदि वहां का आम जनमानस आपत्ति जता रहा है, तो उसे सुना जाना चाहिए। निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करिए और गोदौलिया और गिरजाघर के बीच में ही कहीं जो भी स्थान उचित हो वहां बनाइए गोदौलिया पर स्टेशन बनने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। तय डीपीआर के हिसाब से जो नापजोख होने के बाद स्टेशन से जुड़े सभी पार्टस भी स्विट्जरलैंड में तैयार किए जा चुके हैं। अब अगर जगह बदलती है तो कई सारे बड़े बदलाव करने पड़ेंगे। हालांकि मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ आपसी सहमति से दूसरी जगह का चुनाव करिए। बीते दिनों व्यापारियों ने विधायक नीलकंठ तिवारी को ज्ञापन सौंपा था। व्यापारियों की मांग थी कि गोदौलिया पर स्टेशन बनने से उस चौराहे की भव्यता समाप्त हो जाएगी। यह भी सुझाव दिया था कि उसकी जगह गिरजाघर चौराहे पर स्टेशन बना दिया जाए।

साहिल हत्याकांड में पुलिस ने चार अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

धर्मेंद्र कुमार शर्मा, बदलापुर, जौनपुर (उत्तराशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के सराय त्रिलोकी मोड़ के पास गुरुवार को कार सवार बदमाशों ने उदपुर घाटमपुर गांव निवासी 27 वर्षीय हर्षित सिंह उर्फ साहिल सिंह पुत्र

अवनीश सिंह की पीट पीट कर हत्या कर दिया। पुलिस ने मृतक युवक की मां योगिता सिंह की तहरीर पर 11 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक बदलापुर विनोद मिश्रा ने रविवार को बताया कि साहिल हत्याकांड में वाँछित अभियुक्त विशाल सिंह पुत्र अजय सिंह निवासी भलुवाही थाना बदलापुर, राजेश सिंह उर्फ राजू पुत्र बंगबहादुर सिंह निवासी ग्राम भलुवाही, नितेश सिंह उर्फ भोलू पुत्र कृपाशंकर सिंह निवासी बेदौली थाना तेजीबाजार, शुभम शुक्ला उर्फ मालर पुत्र राकेश शुक्ला निवासी भलुवाही थाना बदलापुर को बबुरा मोड़ अण्डरपास तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से आलाकत्ल एक अदद राड लोहे की व एक अदद लाठी, एक अदद लोहे का पंच व एक अदद नाजायज देशी तमन्चा व जिन्दा कारतूस व पांच मोबाईल व 1530 रुपये बरामद हुआ।

करंडा में किसान की हत्या कर शव धान के खेत में पाए जाने से सनसनी, मुकदमा दर्ज

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। करंडा थाना क्षेत्र के तुलसीपुर गांव निवासी रामा बिंद (65) का हत्या कर शव धान के खेत में फेंका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए छानबीन में जुटी। रामा बिंद शनिवार की शाम दीनापुर से छह बजे खेत का बीज लेकर साइकिल से घर की तरफ निकले थे। शाम साढ़े सात बजे के आस पास से उसका मोबाइल बंद आने लगा। सुबह उसकी साइकिल दीनापुर तुलसीपुर वाले रास्ते पर फेंकी मिली। खोजबीन के बाद मृतक का शव कुछ दूर पर धान के खेत में मिला। मृतक के गले चेहरे पर चोट का निशान देखने को मिल रहा है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि किसी ने हत्या के बाद उसके शव को धान के खेत में फेंक दिया और साइकिल को वहां से कुछ दूर ले जाकर फेंक दिया। हत्या के कारण का अभी पता नही चल पाया है। रामा खेती आदि का कार्य करने वाला व्यक्ति था। साथ पशुओ की बीमारी का जानकार भी था। उसके चार पुत्रियां व दो पुत्र है। थानाध्यक्ष करंडा ने बताया कि इस घटना में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई हो रही है। शीघ्र ही हत्या का खुलासा कर दिया जायेगा।

बिजली के बिल में बढ़ सकती है छूट की सीमा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में घरेलू उपभोक्ताओं को स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगवाने के लिए प्रेरित करने के लिए बिजली बिल में छूट दिए जाने की सीमा बढ़ाने की तैयारी है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा लखनऊ में आयोजित एक के दौरान स्मार्ट मीटर लगवाने पर दिए जाने वाले छूट को बढ़ाने पर विचार करने की बात कहने के बाद इसकी संभावनाएं अधिक बढ़ गई हैं। माना जा रहा है कि अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 के टैरिफ में इससे संबंधित प्रस्ताव लाया जाएगा। बिजली खपत के आंकड़ों से हर समय वाकिफ रहेंगी कंपनियां केंद्र व राज्य सरकार का मानना है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर एक साथ कई दिक्कतों को दूर करेगा। जैसा कि बताया जा रहा है इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि उपभोक्ता हर समय अपनी बिजली खपत से वाकिफ रहेगा। जिससे वह ऊर्जा बचत के बारे में सोचेगा। बिजली कंपनियों के पास भी बिजली खपत का डेटा हर 15 मिनट पर अपडेट होता रहेगा। जिससे कंपनियां यह तय कर सकेंगी कि किस समयावधि में बिजली की औसत मांग क्या है। उसके मुताबिक बिजली का इंतजाम करने में सुविधा होगी। बिजली चोरी पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। इससे हर फीडर से उपभोग होने वाली बिजली का आंकड़ा हर समय अपडेट रहेगा। बताया जाता है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जाने पर घरेलू उपभोक्ताओं को कुछ राज्य दो फीसदी से अधिक चार व पांच फीसदी तक छूट बिजली बिल में देने का प्रस्ताव लाए हैं। इन राज्यों की तर्ज पर उत्तर प्रदेश भी स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगवाने वाले घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल छूट दो फीसदी से बढ़ाने पर विचार कर सकता है।

बंजर जमीन पर रोक के बावजूद बेखौफ कराया जा रहा निर्माण कार्य

जौनपुर(उत्तर शक्ति)। लाइन बाजार थानान्तर्गत चांदमारी कॉलोनी कन्हईपुर मे आराजी नंबर 11 मे अनवरत अवैध निर्माण कार्य चल रहा है। जबकि उच्च न्यायालय प्रयागराज स्थगन एवं सिटी मजिस्ट्रेट जौनपुर द्वारा निर्माण तुरंत रोकने हेतु थाना लाइन बाजार को आदेश है, लेकिन भूमाफिया को न कानून का डर है न पुलिस का। धारा 133 का उलंघन करते हुए धार्मिक स्थल डीह बाबा, मजार के रास्ते को गेट लगाकर रोकने का प्रयास किया जा रहा है।स्थानीय निवासी देवनारायण यादव ने बताया कि 2 अगस्त 2014 को मजिस्ट्रेट का निर्माण कार्य रोकने का आदेश थानाध्यक्ष लाइन बाजार पुलिस चैकी टीडी को है लेकिन पूरा मैरेज हाल और दुकाने बन गया। पुलिस क्यों असहाय नजर आ रही है। निर्माण लगातार चल रहा है। इसी तरह धारा 10 के तहत दिनांक 2 अगस्त को ही सिटी मजिस्ट्रेट का आदेश है कि जो भवन बन गया है उसे ध्वस्त करने हेतु बीरबल यादव के पुत्र सुनील यादव को नोटिस है। 21 अगस्त को सुनवाई की तारीख थी लेकिन कंडोलेन्स हो गया जिससे सुनवाई टल गई उसके बाद हर दस पंद्रह दिन पर तारीख पड़ती गई लेकिन कभी मजिस्ट्रेट के न बैठने से कभी छुट्टी पर चलें जाने से कभी तारीख के दिन कंडोलेन्स हो जाने से तारीख आगे बढ़ जाती थी। इस तरह अवैध निर्माण करने वालों को पर्याप्त समय मिलता जा रहा है। 3 महीने से अधिक हो गया है, लगभग पूरा मैरेज हाल बन चुका है।कब पुलिस काम रोकेगी, कब अवैध निर्माण ध्वस्त होगा। इसे जौनपुर की जनता जानना चाहती है। दीपनारायण यादव ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि अवैध निर्माण को अविलम्ब रोका जाय और जो अवैध निर्माण हो चुका है उसे हटाया जाय।

किशोरी से छेड़खानी, विरोध करने पर भाई को पीटा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के राजेपुर रामेश्वरम गांव में शनिवार की रात को मनबढ़ युवक एक किशोरी उसकी दुकान पर जाकर छेड़खानी कर रहे थे।जब किशोरी के भाई ने विरोध किया तब उन लोगो ने भाई को मारा पीटा। पुलिस ने आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर लिया। ऊक्त गांव निवासी 15 वषीर्या गीता गौड़ पुत्री नरेंद्र गौड़ घर से अपने अंडे की दुकान पर गयी थी। जब वह दुकान पर गयी थी तब उसका भाई किसी काम से चला गया था। उसी समय केशवपुर गांव के निवासी रामसरन निषाद पुत्र शंकर निषाद तथा गीता के गांव के ही निरहू निषाद व शिटु निषाद दुकान पर आ गए। उन लोगो ने गीता से छेड़खानी, जोर जबरदस्ती तथा अश्लील हरकत करने लगे। यह देख कर गीता शोर मचाने लगी। शोर सुनकर उसकी माँ तथा भी निर्मल गौड़ पहुंच गए।माँ और भाई ने जब विरोध किया तब निर्मल को मारना पीटना शुरू कर दिया।घटना को देखकर लोग जमा होने लगे। तब तीनों आरोपी भाग निकले। पीड़ित ने 112 डायल पर सूचना दिया। सूचना पाकर पुलिस पहुंच गयी। पुलिस को देखकर आरोपी भाग गए। रविवार को निर्मल गौड़ की तहरीर पर आरोपियों पर मुकदमा दर्ज हुआ। इसके साथ निर्मल का मेडिकल भी कराया गया। थानाप्रभारी का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

उर्दू डे सप्ताह के तहत उर्दू शायरों और लेखकों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के एक अल्पसंख्यक कॉलेज में उर्दू डे के मौके पर बज्मे हफीज जौनपुरी के बैनर तले एक कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसके मुख्य अतिथि पटना से आए डॉ शाहिद जमील और खालिद शबरहदी रहे। कार्यक्रम का आगाज तिलावते कलाम ए पाक से शाही शेर मस्जिद के इमाम व खतीब कारी इश्तियाक अहमद ज़िया ने किया। वही इस कार्यक्रम में शहर के विभिन्न शायरों ने अपने अलग-अलग अंदाज के शेरो और शायरी से शमा बांध दिया तो वही मुख्य वक्ताओं ने उर्दू उसकी उपज और हिंदुस्तान में उर्दू के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। बतकरीब यौम ए उर्दू एक एजाजी प्रोग्राम के नाम उक्त प्रोग्राम का संचालन असीम मछली शहरी ने किया। इस

कार्यक्रम के आयोजकर्ता सदर असीम मछली शहरी और कनविनर मोहम्मद इरफान जौनपुरी रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता तुफैल अंसारी जौनपुरी ने की। हाजी जियाउद्दीन ने उर्दू को हिंदुस्तानी भाषा बताया और कहा की जैसे तमिल, तेलगु, मलयालम कुल 18 भाषाएं भारतीय है वैसे ही उर्दू भी भारतीय भाषा ही है। इस मौके पर सरपरस्त डॉक्टर सईद अख्तर मसीहा जौनपुरी ने अपने अंदाज में उर्दू शायरी पढ़ी, वही अबुजर अंसारी ने भी उर्दू को मजहबी भाषा न बता कर क्षेत्रीय भाषा की संज्ञा दी। अंत में अध्यक्षता कर रहे मास्टर तुफैल अंसारी ने इस प्रकार के कार्यक्रम कर उर्दू की उपयोगिता बताने पर जोर दिया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से अंसार अहमद फैज, कमाल अख्तर, शमीम अजहर, रोजी फातिमा आदि मौजूद रहे।

पुलिस प्रशासन से मिले उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी, जाम का उठाया मुद्दा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज नगर उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशासन के सामने नगर में मुख्य मार्ग पर लगने वाले जाम का मुद्दा उठाया। प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह से रविवार को मुलाकात कर पदाधिकारियों ने मुख्य मार्ग पर पुलिसकर्मियों की नियमित तैनाती की मांग की। प्रभारी निरीक्षक ने सभी को आश्वासन दिया कि प्रशासन पूरा प्रयास करेगा। प्रभारी निरीक्षक से मिलने पहुंचे उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष अर्पित जायसवाल ने कहा कि जनपद का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र होने के चलते शाहगंज कस्बे में दूर दराज के हजारों व्यापारी और ग्राहक रोजाना आते हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग होने की वजह से ट्रक, बसें और हजारों सवारी गाड़ियां भी रोजाना गुजरती हैं। इसके चलते पश्चिमी कौड़ियां स्थित मनोज ड्रेसेज वाले चौराहे से लेकर जेसीज चौक तक दिन भर जाम की स्थिति रहती है । यह जाम धीरे धीरे शाहगंज के खुदरा और थोक व्यापार को खत्म करता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जाम पर लगाम लगाने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी मुख्य मार्ग पर नहीं लगाई जाती । कभी कभी तो ऐसा होता है कि एक भी पुलिस कर्मी या होमगार्ड वहां नहीं दिखाई देता, जिसके चलते जाम की स्थिति बद से बदतर हो जाती है । उन्होंने प्रभारी निरीक्षक से जेसीज चौक से लेकर मनोज ड्रेसेज वाले चौराहे तक पर्याप्त पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाने की मांग की जिससे जाम की समस्या पर काबू पाया जा सके और ट्रैफिक सुगम हो सके। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष रविकांत जायसवाल, दीपक जायसवाल, दिवाकर मिश्रा, इरशाद अहमद, भुवनेश्वर मोदनवाल, कृष्णकांत सोनी, गोपाल मोदनवाल आदि मौजूद रहे।

पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा एक दिवस में कराए जाने के निर्णय पर प्रतियोगी छात्रों ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

मुख्यमंत्री की पहल से युवाओं में उत्साह की लहर, दिया धन्यवाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज में छात्र-छात्राओं की मांग का उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री के पहल पर छात्र हितों को सर्वोपरि रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने शुचिता व विशिष्टता के दृष्टिगत सम्मिलित राज्य/ प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-2024 को एक ही दिन में आयोजित करने का निर्णय लिया है। पहले इस परीक्षा को दो दिनों में आयोजित करने की योजना थी। लेकिन आयोग द्वारा सैद्धान्तिक विचार के बाद, इसे पूर्व की भाँति एक ही दिन में आयोजित करने का निर्णय लिया गया।मुख्यमंत्री की इस पहल से जनपद के युवाओं में उत्साह है। प्रतियोगी छात्रों ने मुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त किया। इस निर्णय के लिए प्रतियोगी छात्रों ने सरकार का आभार व्यक्त कर धन्यवाद दिया है। प्रतियोगी छात्र छात्राओं आकांक्षा मिश्रा, प्रियांशी चौरसिया, सोनम, कुलदीप, प्रांशु, अंकित, सहित जनपद के कई छात्रों ने एक सुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद किया और उनके इस फैसले की सराहनाकी उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह कदम छात्रों की आकांक्षाओं और विश्वास को मजबूत करता है।जिससे परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित होगी। सरकार ने हमारे पक्ष में निर्णय लेकर यह साबित कर दिया कि मुख्यमंत्री छात्रों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील हैं। पेपर लीक मामलों में भी उन्होंने तत्परता से हस्तक्षेप कर छात्रों को न्याय दिलाया था। हमें उन पर पहले भी पूरा विश्वास था और भविष्य में भी रहेगा।

तमंचा कारतूस के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना लाइन बाजार पुलिस ने तमंचा कारतूस के साथ दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार। डा0 अजय पाल, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण थाना लाइन बाजार पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान विशेषरपुर से धन्नेपुर से अभियुक्तों 1.कान्ता यादव पुत्र प्यारेलाल निवासी जमीन पकड़ी थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को कब्जे से एक पिस्टल मय 02 कारतूस 2.अरुण यादव उर्फ बिल्लू पुत्र पन्नालाल निवासी जमीन पकड़ी थाना

सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को कब्जे से एक तमंचा 315 बोर व चेम्बर से 1 कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया।

यातायात पुलिस ने 950 वाहनों का किया गया चालान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान शहर के प्रमुख चौराहा/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 950 वाहनों का चालान किया गया। आज दिनांक 17.11.2024 को पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात/नगर श्री देवेश सिंह, प्रभारी निरीक्षक यातायात जी0डी0 शुक्ला, व समस्त उप निरीक्षक यातायात के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2024 के आज सिपाह तिराहे पर आटो/ ई-रिक्शा चालको को इकट्ठा कर यातायात नियमों की शपथ दिलायी गयी। साथ ही शहर के प्रमुख चौराहा तिराहाओं पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए सड़क पर वाहनों को खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों को उनके मालिकों को आगे ऐसा न करने की चेतावनी देते हुये हटवाया गया न हटाने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गयी तथा लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में जागरुक किया गया। हेलमेट व सिटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने, मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना।हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करनें के बारे में जागरूक किया गया और साथ ही

काली फिल्म लगाये वाहनों से काली फिल्म उतरवाया भी गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 950 वाहनों का चालान किया गया। यातायात माह में दिनांकः17.11.2024 को की गयी प्रवर्तन की कार्यवाहीः कुल चालान संख्याः-950 बिना हेलमेट वाहन चलानाः-625 बिना सीट बेल्ट वाहन चलानाः-34 तीन सवारी वाहन चालानाः-92 यातायात नियमों का उल्लंघनः-7 मोबाइल से बात करते हुये वाहन चलानाः-6 खराब/क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट का प्रयोगः-32 वाहन में काली फिल्म का प्रयोगः-1 बिना डी0एल0 वाहन चलानाः-4 वाहन में प्रेशर हॉर्न का प्रयोगः-1 ओवर स्पीड वाहन चलानाः-1 नो पार्किंगः-24 शेष अन्य धारा मेः-123

कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान करते गोमती नदी में डूबा युवक

शिव कुमार प्रजापति

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कार्तिक पूर्णिमा पर शुक्रवार को पिलकिच्छा घाट पर गोमती नदी में स्नान करते समय दो युवक अचानक नदी में डूबने लगे। नदी में मौजूद नविको ने एक युवक को तत्काल बचा लिया परंतु दूसरा युवक नदी में डूब गया। काफी खोजबीन के बाद युवक नदी के पाए के पास उतराया मिला। क्षेत्र के लोगों ने तत्काल युवक को अस्पताल ले गए परंतु तब तक युवक की मृत्यु हो चुकी थी पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की।

सम्मनपुर निवासी रामचंद्र सिंह बबलू का 20 वर्षी पुत्र रितिक गांव के कुछ मित्रों के साथ दोपहर में उक्त घाट पर स्नान करने आया था। नहाते समय गहरे पानी में चले जाने से रितिक डूब गया। कुछ देर बाद नजर ना आने पर साथी उसे घाट पर तलाश में लग गये। उसके कपड़े वहीं पड़े दिखे। डूब जाने की आशंका पर शोर मचाया। वहां मौजूद नाविकों ने नदी में तलाश में

◆ करीब पौने घंटे बाद पुल के पाए के पास उतराया मिला शव

◆ खुटहन के पिलकिच्छा घाट पर हुआ हादसा, घर में कोहराम

जुड़ गए। करीब 45 मिनट बाद नदी पर बने पुल के पाए के पास रितिक मरणासन्न अवस्था में उतराया मिला। आनन-फानन में उपचार के लिए सीएचसी बदलापुर ले गए। डॉक्टरों ने देखते ही मृत्यु घोषित कर दिया। रोते बिलखते परिजन शव को लेकर

घर चले आए।

मौके पर मैं फोर्स पहुंचे थाना अध्यक्ष दिव्य प्रकाश सिंह ने समझा बूझकर शव कब्जे में लेकर जरूरी प्रक्रिया पूरी की। मृत्यु रितिक तीन भाइयों में सबसे छोटा और स्नातक का छात्र था। मॉ हेमलता सिंह जवान बेटे के गम में रोते-रोते बेहोश हो जा रही है। मिलनसार रितिक की मौत से गांव का माहौल गमगीन हो चला है। ज्ञात हो कि कई कोसों के शव पिलकिच्छा घाट पर दाह संस्कार के लिए आते हैं। जहां पर 24 घंटे दाह-संस्कार होता है। और कार्तिक पूर्णिमा पर भव्य स्नान कर लोग जल देते हैं। इस अवसर पर तिलवारिया का मेला भी इसी घाट पर लगता है जिसके वजह से स्नान करने वालों की संख्या अधिक बढ़ जाती है। परंतु किसी गोताखोर की सरकारी ड्यूटी नदारत रहती है।